# SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

## YouTuber / Digital Content Creator

यूट्यूबर या डिजिटल कंटेंट क्रिएटर वीडियो, शॉर्ट्स और रील्स बनाकर विज्ञापन, स्पॉन्सरशिप और एफिलिएट कमीशन से कमाई करता है। स्मार्टफोन और इंटरनेट के साथ गाँव से भी हिंदी या मारवाड़ी जैसी अपनी भाषा में शुरुआत की जा सकती है। यह एक...

### इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/youtuber-content-creator


**राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी**

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

**सुशील कुमार शर्मा**
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

**श्री चेनाराम चौधरी**
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

**श्रीमती संघमित्रा**
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

**भरत चौधरी**
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

**सुरेन्द्र सिंह राठौड़**
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

**सुरेश कुमार सैन**
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

**वनिता कुमारी**
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

**कमलेश चौधरी**
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)



यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

## 1 यह करियर क्या है

यूट्यूबर या डिजिटल कंटेंट क्रिएटर वीडियो, शॉर्ट्स और रील्स बनाकर विज्ञापन, स्पॉन्सरशिप और एफिलिएट कमीशन से कमाई करता है। स्मार्टफोन और इंटरनेट के साथ गाँव से भी हिंदी या मारवाड़ी जैसी अपनी भाषा में शुरुआत की जा सकती है। यह एक असली करियर है, पर कमाई बहुत अनिश्चित होती है — मेहनत, धैर्य और लगातार सीखते रहना ज़रूरी है।

## 2 एक नज़र में

| | |
|---|---|
| न्यूनतम योग्यता | कोई डिग्री ज़रूरी नहीं — स्मार्टफोन, इंटरनेट और लगातार सीखने की आदत ही असली योग्यता है |
| कार्य-शैली | घर या छोटे स्टूडियो से, पूरी तरह ऑनलाइन; ज़्यादातर स्व-रोज़गार (फ्रीलांस) |
| माँग | बहुत ऊँची — 2026 के बजट में 15,000 स्कूलों में क्रिएटर लैब की घोषणा; क्षेत्रीय भाषाओं के दर्शक तेज़ी से बढ़ रहे हैं, पर कमाने वालों में प्रतिस्पर्धा भी बहुत है |
| शीर्ष कमाई | ₹1 लाख से ₹10 लाख+ प्रति माह (शीर्ष क्रिएटर) — पर अधिकांश क्रिएटर इससे बहुत कम कमाते हैं |

## 3 क्या-क्या चाहिए

**रुचियाँ**

- वीडियो बनाना, फोटोग्राफी और कहानी कहना अच्छा लगता हो
- लोगों से जुड़ना, सिखाना या मनोरंजन करना पसंद हो
- सोशल मीडिया, नए ट्रेंड और तकनीक में गहरी रुचि हो

**क्षमताएँ**

- कैमरे के सामने आत्मविश्वास और साफ़ बोलने की क्षमता
- मोबाइल, ऐप और एडिटिंग टूल जल्दी सीखने की तकनीकी समझ
- बिना तुरंत कमाई के भी महीनों-सालों तक नियमित काम करने का धैर्य

### ज़रूरी कौशल

- स्मार्टफोन से वीडियो शूटिंग और एडिटिंग
- आकर्षक थंबनेल, शीर्षक और खोज अनुकूलन (एसईओ)
- कमाई के तरीके — विज्ञापन, स्पॉन्सरशिप, एफिलिएट, अपने उत्पाद
- स्क्रिप्ट लेखन और कहानी कहने की कला
- यूट्यूब स्टूडियो एनालिटिक्स से दर्शकों को समझना
- हिंदी और क्षेत्रीय भाषा में प्रभावी संवाद

## 4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 10 या 12 पूरी करें और अपना विषय चुनें — पढ़ाई, खेती, खाना, कॉमेडी, तकनीक या स्थानीय जीवन
2. स्मार्टफोन से एक चैनल शुरू करें; हर सप्ताह नियमित वीडियो और शॉर्ट्स डालें
3. मुफ्त में सीखें — यूट्यूब क्रिएटर्स, स्किल इंडिया डिजिटल और एफटीआईआई के लघु ऑनलाइन कोर्स
4. यूट्यूब पार्टनर प्रोग्राम के लिए पात्रता बनाएँ — 500 सब्सक्राइबर से शुरुआती सुविधाएँ, और 1,000 सब्सक्राइबर + 4,000 घंटे वॉच-टाइम (या 90 दिनों में 1 करोड़ शॉर्ट्स व्यू) पर विज्ञापन आय
5. आय के कई स्रोत बनाएँ — स्पॉन्सरशिप, एफिलिएट, अपने उत्पाद; चैनल को व्यवसाय की तरह चलाएँ
6. सुरक्षा के लिए साथ में डिजिटल मार्केटिंग या जनसंचार का कोर्स भी कर सकते हैं — ये कौशल नौकरी भी दिला सकते हैं

## 5 कहाँ से पढ़ें

### सरकारी संस्थान

- Film and Television Institute of India (FTII) – Centre for Open Learning, short and online courses — पुणे, महाराष्ट्र (ऑनलाइन कोर्स भी) (https://ftii.ac.in/)
- Media & Entertainment Skills Council (MESC) – government-recognized skill courses — नई दिल्ली (देशभर में प्रशिक्षण साझेदार) (https://mescindia.org/)

### निजी संस्थान

- WsCube Tech – digital marketing, video editing and channel-growth courses — जोधपुर और जयपुर, राजस्थान (ऑनलाइन भी) (https://www.wscubetech.com/)
- IIDE – Indian Institute of Digital Education — मुंबई और दिल्ली (ऑनलाइन भी) (https://www.iide.co/)

### ऑनलाइन

- YouTube Creators – official free learning resources — निःशुल्क, ऑनलाइन (https://www.youtube.com/creators/)
- Skill India Digital Hub – free government courses — निःशुल्क, ऑनलाइन (सरकारी) (https://www.skillindiadigital.gov.in/)

**फ़ीस**

शुरुआत लगभग मुफ्त है — स्मार्टफोन से ही संभव। यूट्यूब क्रिएटर्स और स्किल इंडिया डिजिटल के कोर्स निःशुल्क हैं; एफटीआईआई के लघु कोर्स लगभग ₹5,000 से ₹50,000; निजी डिजिटल मार्केटिंग कोर्स ₹20,000 से ₹1,00,000 तक। माइक, लाइट और ट्राइपॉड जैसे शुरुआती उपकरण ₹2,000 से ₹15,000 में आ जाते हैं।

## 6 काम कैसा होता है

**कहाँ काम**

घर का स्टूडियो, गाँव-शहर की लोकेशन पर शूटिंग, ब्रांड इवेंट और शूट; एडिटिंग और अपलोडिंग ज़्यादातर घर से ही

**कार्य-संस्कृति**

समय की पूरी आज़ादी, पर कोई तय वेतन नहीं; एल्गोरिद्म बदलने का दबाव, ट्रोलिंग और हर सप्ताह नया कंटेंट देने की चुनौती; अनुशासन ही सफलता की कुंजी है

**कौन नौकरी देता है**

- खुद का चैनल — स्व-रोज़गार (मुख्य रास्ता)
- इन्फ्लुएंसर मैनेजमेंट और टैलेंट एजेंसियाँ
- दूसरे क्रिएटर्स के लिए वीडियो एडिटर या स्क्रिप्ट राइटर की नौकरी
- ब्रांड और विज्ञापन एजेंसियाँ (स्पॉन्सरशिप डील)
- मीडिया हाउस और ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म
- डिजिटल मार्केटिंग एजेंसियाँ (सोशल मीडिया मैनेजर)

**माँग (2026)**

भारत की क्रिएटर इकॉनमी सरकार की ऑरेंज इकॉनमी पहल से तेज़ी से बढ़ रही है — 2026-27 के बजट में 15,000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में ₹250 करोड़ की लागत से कंटेंट क्रिएटर लैब की घोषणा हुई है, और सरकार व यूट्यूब मिलकर 15,000 युवाओं को क्रिएटिव-एआई कौशल सिखा रहे हैं। हिंदी, मारवाड़ी जैसी क्षेत्रीय भाषाओं के दर्शक सबसे तेज़ बढ़ रहे हैं। पर सच यह भी है — करोड़ों चैनलों में से बहुत छोटा हिस्सा ही पूर्णकालिक कमाई कर पाता है।

## 7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. शौकिया क्रिएटर (0 से 1,000 सब्सक्राइबर) — कमाई लगभग शून्य, सीखने का दौर
2. मोनेटाइज़्ड क्रिएटर — यूट्यूब पार्टनर प्रोग्राम से विज्ञापन आय शुरू
3. पूर्णकालिक क्रिएटर — ब्रांड डील, एफिलिएट और छोटी टीम
4. बहु-प्लेटफ़ॉर्म ब्रांड — अपने कोर्स, उत्पाद या ऐप
5. मीडिया उद्यमी — स्टूडियो, एजेंसी और कर्मचारियों वाला व्यवसाय

कमाई

| | |
|---|---|
| शुरुआत | ₹0–20,000 |
| मध्य स्तर | ₹25,000–1,00,000 |
| वरिष्ठ स्तर | ₹2,00,000+ |

मासिक अनुमान (2026)। क्रिएटर की कमाई बेहद अनिश्चित और असमान है — भारत में विज्ञापन से औसतन ₹50 से ₹200 प्रति 1,000 व्यू मिलते हैं (शॉर्ट्स पर बहुत कम), और अधिकांश चैनल पहले 1-2 साल लगभग कुछ नहीं कमाते। बड़ी कमाई ज़्यादातर स्पॉन्सरशिप और अपने उत्पादों से होती है, विज्ञापन से नहीं।

## 8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

**अच्छी बातें**

- बहुत कम लागत में शुरुआत — गाँव से, अपनी भाषा में, बिना डिग्री के संभव
- कमाई और पहुँच की कोई सीमा नहीं — अच्छा कंटेंट पूरी दुनिया तक जा सकता है
- सीखे हुए कौशल (एडिटिंग, मार्केटिंग, संवाद) से नौकरी के दरवाज़े भी खुलते हैं

**चुनौतियाँ**

- सालों तक आय अनिश्चित — कोई तय वेतन, पेंशन या सुरक्षा नहीं
- एल्गोरिद्म बदलाव, भारी प्रतिस्पर्धा, ट्रोलिंग और मानसिक दबाव
- अधिकांश चैनल कभी बड़ी कमाई तक नहीं पहुँचते — इसलिए पढ़ाई या वैकल्पिक कौशल साथ रखना ज़रूरी है

## 9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

**Kaushalya Chaudhary**
**यूट्यूबर, सीधी मारवाड़ी किचन — कुड़ी गाँव, जोधपुर (राजस्थान)**

जोधपुर के पास कुड़ी गाँव की कौशल्या चौधरी ने उधार के पैसों से ₹7,500 का फोन खरीदकर रसोई के वीडियो बनाने शुरू किए — नेटवर्क के लिए छत पर घंटों इंतज़ार करती थीं। हिंदी में सफलता नहीं मिली, तो अपनी मारवाड़ी भाषा में बोलना शुरू किया और एक महीने में 1 लाख सब्सक्राइबर मिले। आज उनके 16 लाख से अधिक सब्सक्राइबर हैं, अपना मसालों का ब्रांड है जिसमें 35 से अधिक ग्रामीण महिलाएँ काम करती हैं, और वे मास्टरशेफ इंडिया 2024 तक पहुँचीं।

The Better India · https://thebetterindia.com/446677/kaushalya-chaudhary-sidhi-marwari-rajasthan-clean-food-brand/

**Manoj Dey**
**यूट्यूबर — धनबाद, झारखंड**

झारखंड के धनबाद ज़िले के मनोज डे साइकिल मैकेनिक के बेटे हैं और कच्चे घर में पले-बढ़े। ट्यूशन पढ़ाकर घर चलाने में मदद करते हुए उन्होंने 2016 में यूट्यूब शुरू किया — शुरुआती चैनल असफल रहे, पर उन्होंने हार नहीं मानी। आम आदमी की सरल हिंदी में यूट्यूब सिखाने वाले उनके वीडियो लाखों युवाओं तक पहुँचे और उनके चैनलों के लाखों सब्सक्राइबर बन गए। उनका मानना है कि सरकारी नौकरी ही एकमात्र रास्ता नहीं है।

The Tribune · https://www.tribuneindia.com/news/entertainment/he-has-arrived-262242/

## 10 स्रोत व आगे पढ़ें

**1.** भारत में यूट्यूब से प्रति 1,000 व्यू कमाई (2026) — https://www.wscubetech.com/blog/youtube-income-per-1000-views/

**2.** बजट 2026: स्कूल-कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब (आईबीईएफ) — https://www.ibef.org/news/government-accelerates-orange-economy-expands-content-creator-labs-and-skill-development-initiatives-nationwide

**3.** सरकार की ऑरेंज इकॉनमी पहलें — https://www.drishtiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/govt-launches-3-initiatives-for-orange-economy

**4.** यूट्यूब क्रिएटर्स — आधिकारिक निःशुल्क संसाधन — https://www.youtube.com/creators/

**और 770+ करियर — पूरा पोर्टल**
रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।
**career.gsssjethantri.in**